खाद्य तथा कृषि मंत्री (श्री प्र० प्र० जैन): (क) और (ख) चीन को भेजे गये पाटिल प्रतिनिधिमंडल की मुख्य सिफारिश सहकारी फार्मों की स्थापना के सम्बन्ध में है। सितम्बर १९५७ में राष्ट्रीय विकास परिषद् में हुए वाद विवाद के परिणामस्वरूप, द्वितीय पंचवर्षीय योजना के बाकी समय में ३००० सहकारी फार्मों की स्थापना करने का निर्णय किया गया था। ये प्रयोग सहकारी खेती के टेक्निकस के विकास के लिए जो साधारणतया भारतीय परिस्थितियों के लिये तथा देश के अनेक भागों में विशेषकर स्थानीय परिस्थितियों के लिए उपयुक्त हो किये जाने थे। अनेक सालों तक ये प्रयोग किये जाने के बाद ही केवल, समस्त देश या उसके विभिन्न प्रदेशों के लिये सब से उपयुक्त टेक्निकस का विकसित करना और उनका निश्चय करना सम्भव हो सका। राज्य की योजनाओं में सन् १९५८-५९ में लगभग ५०० सहकारी फार्मों की स्थापना के लिये उपबन्ध कर दिया गया है।

(ग) और (घ). प्रश्न नहीं उठता।

यमुना के ऊपर सड़क का पुल

४०३. **श्री भक्त दर्शन :**
श्री नवल प्रभाकर :

क्या **परिवहन तथा संचार** मंत्री १२ अगस्त, १९५७ के तारांकित प्रश्न संख्या ८०६ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बीच यमुना नदी पर सड़क का पुल बनाने के बारे में इस बीच क्या प्रगति हुई है?

परिवहन तथा संचार मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री राज बहादुर) : उत्तर प्रदेश सरकार ने पंजाब सरकार को यह सुझाव दिया है कि पुल के बनाने का स्थान पंजाब की तरफ से पानीपत और उत्तर प्रदेश की तरफ से खैराना के बीच निश्चित किया जाय। यह मामला अब दोनों राज्य सरकारों के विचाराधीन है।

रेलगाड़ियों का देर से चलना

४०४. **श्री विभूति मिश्र** : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि प्रत्येक रेलवे महाखण्ड (ज़ोन) में पिछले छै महीनों में, अर्थात् जनवरी, १९५८ से ३० जून, १९५८ तक कितने फी सदी गाड़ियां लेट चलीं।

रेलवे उपमंत्री (श्री शाहनवाज़ खां) : एक बयान सभा-पटल पर रखा जाता है जिसमें यह बताया गया है कि पहली जनवरी १९५८ और ३० जून १९५८ के बीच सवारी होने के लिए जितनी गाडियां चलायी गयी उनमें कितने फी सदी गाडियां लेट चलीं। [देखिये परिशिष्ट १, अनुबन्ध संख्या १४६]

Water Supply in Imphal

405. Shri L. Achaw Singh: Will the Minister of **Health** be pleased to state

(a) the number of private water points given to members of the public since 1956 in Imphal and

(b) the reasons why such private points were supplied to the detriment of public interest in view of the fact that water supply in Imphal is already inadequate for public supply?

The Minister of Health (Shri Karmarkar): (a) Seven

(b) As the existing water supply system is not meant for large scale connections to be given to the public beyond its capacity, a Major scheme costing Rs 28 36 lakhs is under execution. This will enable the Administration to give a number of new connections to the public